भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2659

उत्तर देने की तारीख सोमवार : 17 मार्च, 2025

26 फाल्गुन, 1946 (शक)

धार्मिक स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव

2659. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के शिरडी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत अकोला तालुका में प्रवरा नदी के तट पर भगवान शिव का सिद्धेश्वरा मंदिर तथा इसी तालुका के ताकाहारी गाँव में स्थित जगदम्बा मंदिर बहुत प्राचीन और ऐतिहासिक हैं तथा पर्यटकों को आकर्षित करते हैं ;

(ख) क्या सरकार ने इन अति प्राचीन धार्मिक स्मारकों और अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव के लिए कोई कार्य योजना बनाई है या बनाने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस प्रयोजन के लिए अब तक कितनी धनराशि आवंटित की गई है या आवंटित करने का प्रस्ताव है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) : तहकारी गाँव, जिला-अहमदनगर अवस्थित तीन मंदिरों में से एक, तीन गुफा वाला भवानी मंदिर, जिसे स्थानीय रूप से जगदंबा मंदिर के नाम से जाना जाता है, रतनवाड़ी गाँव, तहसील-अकोले अवस्थित अमृतेश्वर मंदिर और टोक गाँव, तहसील-नेवासा, जिला-अहमदनगर अवस्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर नामक मंदिरों को राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों के रूप में घोषित किया गया है और इनकी देखभाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की जाती है।

(ख) और (ग) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इन संरक्षित स्मारकों और स्थलों के संरक्षण और रखरखाव के कार्य को उनकी आवश्यकताओं और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार करता है, जिनमें सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करना भी शामिल है।

(घ) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान संरक्षित स्मारकों और स्थलों के संरक्षण और रखरखाव के लिए आवंटित कुल धनराशि और किये गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ में)

वर्ष	आवंटन	व्यय
2021-22	270.00	269.57
2022-23	392.71	391.93
2023-24	443.53	443.53

*****